

संपादकीय

हार पर रार

यह पुरानी कहावत है कि क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है। बुधवार को भारत व न्यूजीलैंड के बारिश से बाधित मैच में भारतीय टीम की शिकस्त को भी इसी नजरिये से देखा जाना चाहिए। हम इसे इस नजरिये से भी देख सकते हैं कि न्यूजीलैंड की व्यूहरचना हमसे ज्यादा सधी हुई थी। वह 130समं कामयाब भी हुई। यह दिन उनका था। हार के बाद दस तरह खामियों का पोस्टमार्टम होता है, शायद जीत की खुमारी में वे दब जाती हैं। मगर यह सत्य है कि लीग मैचों में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम 18 रन से मैच हारकर विश्व कप की दौड़ से बाहर हो गई। यह विडंबना ही है कि 130 करोड़ देशवासियों की टीम महज पचास लाख आबादी वाले देश की टीम के समक्ष नतमस्तक हो गई। वह भी उस देश के सामने, जिसका मुख्य खेल क्रिकेट नहीं, रग्बी है। निःसंदेह भारतीय टीम में दुनिया के स्टार बल्लेबाज हैं, अच्छे बॉलर हैं। न्यूजीलैंड ने हमारे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को रणनीति के तहत शिकार बनाया और मध्य क्रम इस दबाव में बिखर गया। मगर दरकते विकेटों के बीच में धोनी व जडेजा की 116 रनों की यादगार साझेदारी भी रही। जिस वक्त भारत के छह विकेट महज 92 रन पर गिर गये थे, जडेजा ने शानदार शॉट जड़े। उन्होंने 59 गेंदों पर 77 रनों की शानदार पारी खेली। इसके बावजूद कि कमेंट्रेटर बॉक्स से जडेजा को लेकर तमाम तरह के कयास लगाये जा रहे थे। मैच में सवाल धोनी की बल्लेबाजी के क्रम को लेकर भी उठे। कहा जा रहा है कि यदि धोनी पहले मैदान में उतारे जाते तो एक छोर संभालते और नये खिलाड़ियों को अनुभव बांटते। सवाल धोनी की धीमी बल्लेबाजी को लेकर भी उठे। मगर यह सत्य है कि भारत लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल हार कर विश्व कप की दौड़ से बाहर हो गया है। पराजय का एक सबक यह भी है कि शीर्ष खिलाड़ियों पर निर्भरता को कम किया जाना चाहिए।

निःसंदेह इस शिकस्त के बावजूद भारतीय टीम में तमाम विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। कई स्टार क्रिकेट जगत की चमक रखते हैं। बेहतरीन गेंदबाज हैं। इस विश्व कप में पांच शतक लगाने वाले रोहित शर्मा हैं। यह बात अलग है कि न्यूजीलैंड के कप्तान कैन विलियम्स की रणनीति कामयाब रही, जिन्होंने अपनी टीम के लिए एक-तिहाई रन खुद बनाये। इतनी बड़ी संख्या में इंग्लैंड पहुंचे भारतीय प्रशंसकों की लय देखने लायक थी। उन्हें जरूर इस पराजय से निराशा हुई होगी। मगर बेहतर खेल के उन्हें और मौके जरूर मिलेंगे। निःसंदेह भारतीय क्रिकेटर्स की चूक उन्हें खली होगी, मगर उन्हें बेहतर खेल के लिये प्रतीक्षा करनी चाहिए। निःसंदेह इस मैच में 240 रन का स्कोर भारतीय दिग्गजों के लिये असंभव नहीं था। यह बात अलग है कि दिग्गजों की नासमझी से वह पहाड़ जैसा बन गया। कहीं न कहीं वर्षा बाधित मैच के बाद दूसरे दिन न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों द्वारा बनाये गये तेज रनों को हमारे बल्लेबाज पिच को रनों के अनुकूल समझने की भूल कर बैठे। मगर न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी व ट्रेट बॉल्ट की गेंदबाजी ने तस्वीर ही बदल दी। उन्होंने बता दिया कि इस पिच पर 240 का स्कोर लक्ष्य पाना सहज नहीं है। बहरहाल, ऐसे खेल के बूते न्यूजीलैंड फाइनल में अप्रत्याशित भी कर सकता है। जिसके लिये हमें अगले विश्वकप की प्रतीक्षा करनी होगी। हमारी टीम के लिये यह आत्ममंथन का समय है। जरूरत इस बात की है कि हम अपने मध्य क्रम को मजबूत करें। नंबर चार से छह तक के खिलाड़ियों को लेकर जो दुविधा हमेशा बनी रहती है, उसे शीघ्र दूर करने की जरूरत है जो मुश्किल वक्त में भी जीत की उम्मीद बनाये रखे। बहरहाल, इसके बाद भी हार के कारणों का पोस्टमार्टम होगा। कुछ चेहरे बदलेंगे, कुछ संन्यास लेंगे, मगर उम्मीदों का क्रिकेट हमेशा रहेगा।

आधार की गलत जानकारी देने पर लग सकता है भारी जुर्माना

नई दिल्ली (आरएनएस)। आधार कार्ड की स्वीकार्यता और इसका महत्व तेजी से बढ़ रहा है। आज के समय में हर काम में आधार कार्ड अनिवार्य है। पैसे का लेनदेन हो या कोई भी काम हो आधार कार्ड की जरूरत पड़ती ही है। सरकार ने भी कई चीजों जैसे बैंक हो या कोई भी अन्य चीज खरीदनी हो तो आधार कार्ड जरूरी कर दिया है। बजट 2019 के प्रस्तावों के अनुसार, लोग अब 18 जरूरी सेवाओं के लिए पैन कार्ड की जगह आधार कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन लेनदेन के समय अगर आपने गलत आधार नंबर दिया तो आपको 10 हजार रुपये का जुर्माना देना पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, संबंधित प्रावधान और अधिसूचना जारी होने के बाद यह नियम एक सितंबर से लागू हो सकता है। हालांकि इस आदेश से पहले संबंधित व्यक्ति की बात सुनी जाएगी। इस संदर्भ में एक अधिकारी ने कहा कि, आयकर अधिनियम की धारा 272बी में पैन के उपयोग से संबंधित उल्लंघनों पर दंडात्मक प्रावधान हैं। इससे पहले सीबीडीटी के



अध्यक्ष प्रमोद चंद्र मोदी ने कहा था कि पैन की उपयोगिता निश्चित तौर पर खत्म नहीं हुई है और हालिया बजट में दोनों डेटाबेस (पैन और आधार) को एक-

दूसरे की जगह इस्तेमाल करने के लिए एक जैसा बताया जाना एक अतिरिक्त सुविधा है जो उन्हें जोड़े जाने को सुनिश्चित करेगा, जो कि अब कानून के तहत अनिवार्य है। उन्होंने कहा था कि, च्रेसे मामलों में जहां आधार का संदर्भ दिया जा रहा है और वहां पैन का उल्लेख नहीं है, वहां हम (आयकर रिटर्न जमा करने वाले) व्यक्ति को पैन आवंटित करने की संभावना के बारे में सोच सकते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा था कि भारत में 1.2 अरब से अधिक लोगों के पास आधार कार्ड हैं, जबकि इसकी तुलना में पैन कार्ड केवल 22 करोड़ लोगों के पास हैं। इसलिए करदाता पैन नंबर न होने पर आधार कार्ड नंबर से आयकर रिटर्न भर सकते हैं।

सिएट की उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर 3,500 करोड़ खर्च करने की योजना

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिग्गज टायर निर्माता कंपनी सिएट अगले तीन-चार साल में अपने संयंत्रों की विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए 3,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2018-19 में यह बात कही। आरपीजी समूह की प्रमुख कंपनी ने शेयरधारकों को दी जानकारी में कहा कि उसके गुजरात के हलोल संयंत्र के विस्तार के लिए पहले ही पूंजी लगा दी है। कंपनी ने कहा, "क्षमता विस्तार पर कुल 3,500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसमें हलोल वाणिज्यिक रेडियल टायर संयंत्र के विस्तार में लगाई गई पूंजी भी शामिल है। बची हुई राशि को अगले तीन-चार साल में खर्च किया जाएगा।" सिएट ने हलोल संयंत्र की क्षमता को बढ़ाकर 9.6 लाख टायर प्रतिवर्ष किया है। कंपनी चेन्नई के पास यात्री कार रेडियल टायर के लिए भी संयंत्र स्थापित कर रही है। इसकी उत्पादन क्षमता 96 लाख टायर प्रति वर्ष है और इस पर करीब 2,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

जीवन बीमा कंपनियों की नई प्रीमियम आय जून में 94 प्रतिशत बढ़कर 32,241 करोड़

नई दिल्ली (आरएनएस)। चालू वित्त वर्ष के जून महीने में जीवन बीमा कंपनियों की नई प्रीमियम आय 94 प्रतिशत बढ़कर 32,241.33 करोड़ रुपये रही। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की प्रीमियम से सबसे ज्यादा आय हुई है। बीमा नियामक इराडा के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। इससे पहले, सभी 24 जीवन बीमा कंपनियों को जून, 2018 में नयी पॉलिसी से 16,611.57 करोड़ रुपये का प्रीमियम मिला था। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी की जून में नयी पॉलिसी से ज्यादा बढ़कर 26,030.16 करोड़ रुपये रही। जून 2018 में यह आंकड़ा 11,167.82 करोड़ रुपये पर था। इसके साथ ही भारतीय जीवन बीमा निगम की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 74 प्रतिशत पर पहुंच गई। शेष 26 प्रतिशत हिस्सेदारी निजी बीमा कंपनियों के हिस्से में रही। एलआईसी ने जून माह के दौरान 13.32 लाख पॉलिसी बेची और एक महीने में ही 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रीमियम जुटाया। इस दौरान, 23 निजी क्षेत्र की बीमा



कंपनियों की नई प्रीमियम से आय 14.10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,211.17 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 5,443.75 करोड़ रुपये थी। निजी क्षेत्र की कंपनियों में एचडीएफसी लाइफ का नया प्रीमियम 21 प्रतिशत बढ़कर 1,358.45 करोड़ रुपये रहा। एसबीआई लाइफ का प्रीमियम 28.14 प्रतिशत बढ़कर 1,310.07 करोड़ रुपये रहा। आईसीआईसीआई फ्रूडेंशियल लाइफ का प्रीमियम 26 प्रतिशत बढ़कर 897.98 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष की बात करें तो अप्रैल-जून अवधि के दौरान 24 जीवन बीमा कंपनियों का नया प्रीमियम कुल मिलाकर 65 प्रतिशत बढ़कर 60,637.22 करोड़ रुपये करोड़ रुपये हो गया। अप्रैल-जून 2019-20 में एलआईसी की नई प्रीमियम आय 82 प्रतिशत बढ़कर 44,794.78 करोड़ रुपये रही।

विदेशी निवेशकों ने जुलाई में अब तक भारतीय बाजार में 3,551 करोड़ की पूंजी डाली

नई दिल्ली (आरएनएस)। बजट के बाद शेयर बाजार में विदेशी पूंजी की भारी निकासी के बावजूद विदेशी निवेशक जुलाई महीने में अब तक भारतीय पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल बने हुए हैं। डिफॉजिटरी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 1 से 12 जुलाई के दौरान, शेयर बाजार से शुद्ध रूप से 4,953.77 करोड़ रुपये की निकासी की लेकिन बांड बाजार में 8,504.78 करोड़ रुपये डाले। इस प्रकार, विदेशी निवेशकों ने पूंजी बाजार में शुद्ध रूप से 3,551.01 करोड़ रुपये का निवेश किया। बजट पेश होने के बाद से विदेशी निवेशक एक-दो बार को छोड़कर बाकी दिनों में शुद्ध बिकवाल रहे। विशेषज्ञों के मुताबिक, बजट में विदेशी कोष समेत अमीरों की ओर से दिए जाने वाले आयकर पर अधिभार को बढ़ाने का प्रस्ताव किया है, इससे विदेशी निवेशकों का



भारतीय शेयर बाजार से मोहभंग हुआ है और वे घरेलू शेयर बाजार में अपने निवेश का फिर से मूल्यांकन कर सकते हैं। वैश्विक निवेशक लगातार पांच महीने से शुद्ध खरीदार बने हुए हैं। उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार में जून में शुद्ध रूप से 10,384.54 करोड़ रुपये, मई में 9,031.15 करोड़ रुपये, अप्रैल में 16,093 करोड़ रुपये की पूंजी डाली थी।

डीएचएफएल को चौथी तिमाही में 2,223 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दीवान हार्जजिंग फाइनेंस लिमिटेड को 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुई चौथी तिमाही में साल दर साल आधार पर 2,223 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी को यह घाटा प्रोविजनिंग बढ़ने और डिस्बर्समेंट में सुस्ती आने से हुआ है। कंपनी पिछले वित्त वर्ष की दूसरी छमाही से ही वित्तीय संकट का सामना कर रही है और उसे इस दौरान कई डाउनग्रेड्स का सामना करना पड़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 134 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। कंपनी को वित्त वर्ष 2018-19 की चौथी तिमाही में 3,280 करोड़ रुपये की अतिरिक्त प्रोविजनिंग करनी पड़ी है। कंपनी को वित्त वर्ष 2018-19 में 1,036 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है, जबकि वित्त वर्ष 2017-18 में उसे 1,240 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था।

हीमा दास ने दो सप्ताह के भीतर जीता तीसरा स्वर्ण

क्लांदा (आरएनएस)। भारत की शीर्ष महिला धावक हीमा दास ने दो सप्ताह के भीतर तीसरा स्वर्ण पदक जीता है। हीमा ने यहां क्लांदा मेमोरियल एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय धावक ने शनिवार को हुई इस रेस को 23.43 सेकेंड में पूरा किया और पहले पायदान पर रही। इस बीच, नेशनल रिकॉर्ड होल्डर मोहम्मद अनस ने भी 400 मीटर में सोना जीता। उन्होंने अपनी रेस 45.21 सेकेंड में पूरी की। हीमा ने दो जुलाई को साल की अपनी पहली प्रतिस्पर्धा 200 मीटर रेस में 23.65 सेकेंड का समय निकालर सोना जीता था। यह रेस पोलैंड में हुई पोजनान एथलेटिक्स ग्रांड प्रिक्स के तहत हुई थी। इसके बाद, उन्होंने जुलाई आठ को पोलैंड में हुए कुंटो एथलेटिक्स टूर्नामेंट में 200



मीटर की रेस में 23.97 सेकेंड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वर्ल्ड जूनियर चैंपियन हीमा का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय 23.10 सेकेंड है जो उन्होंने पिछले साल बनाया था। प्रति दस ग्राम के पार पहुंचा है। विदेशों में गत सप्ताह सोने-चाँदी पर तेजी रही। लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, वहाँ सोना हाजिर 10.10 डॉलर की साप्ताहिक बढ़त लेकर 1,415.30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा 9.00 डॉलर बढ़कर सप्ताहांत पर कारोबार समाप्त होते समय 1,406.70 डॉलर प्रतिशत औंस बोला गया। चाँदी हाजिर 0.17 डॉलर चढ़कर 15.20 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन महत्वाकांक्षी प्रकृति वालों के लिए शुभ फलदायक रहेगा। यात्रा सामान्य लाभप्रद रहेगी। उच्चधिकारी से वाद-विवाद होने से कानूनी पक्ष नया मोड़ ले सकता है।
वृषभ- आज कार्यक्षेत्र में अधिकारी से या व्यवसाय क्षेत्र में व्यापारी से अनबन हो सकती है। अपने कार्यक्षेत्र से आप धनराशि पर विचार प्राप्त करेंगे। मिथुन- आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा। कार्यक्षेत्र में भी आपको अनुकूल प्रभाव तभी मिलेगा जब आप थोड़ी बहुत जिम्मेदारी अपने जूनियर्स को भी देंगे।
कर्क- जीवनसाथी एवं व्यापार में साझेदारों का सहयोग मिलेगा। सदकार्यों से रूचि बनी रहेगी। नौकरी पेशा वर्ग को उन्नति मिल सकती है।
सिंह- साझेदारी में किया व्यापार फायदा पहुंचाएगा। आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा।
कन्या- आज का दिन आपके लिए लाभकारक है। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है।
मिथुन- जीवनसाथी का सहयोग व सहाय्य मिलेगा। व्यवसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। सांयकाल से लेकर रात्रि तक किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है, सतर्क रहें।
वृश्चिक- आज आपका आधा दिन परोपकार करने में बीतेगा। दूसरों की सहायता करने से आत्मसंतुष्टि प्राप्त होगी।
शुभ- आपके खर्च कम हो जाने से आपकी अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। अच्छे वाहन का सुख प्राप्त होगा।
मकर- आज किसी नई डील से अचानक धन का लाभ होगा। घर में पत्नी या किसी संतान की अचानक तबीयत खराब होने से टेंशन हो सकती है।
कुम्भ- बड़ी मात्रा में रूपया हाथ में आने से संतोष होगा। जमीन-जायदाद से संबंधित विवाद में हानि हो सकती है। भौतिक सुख के साधनों की वृद्धि होगी।
मिथुन- आज ऑफिस में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मसलों में सोच समझ कर किए गए निवेश अत्यधिक फायदा दे सकते हैं।

स्वादिष्ट वेजिटेबल फिंगर्स रेसिपी बनाने की विधि

सामग्री

बारीक कटी हुई मिक्स वेजिटेबल्स (पत्तागोभी, प्याज, शिमला मिर्च और गाजर)-2 कप, उबले-मैश किए हुए आलू- 2, लहसुन का पेस्ट-1/4 चम्मच, सोया सॉस- 1/2 चम्मच, विनेगर- 1 छोटा चम्मच, कॉर्नफ्लोर- 2 बड़ा चम्मच, तलने के लिए-तेल, ब्रेड की स्लाइस - 1, नमक-स्वादानुसार।

सजावट के लिए

कटा हुआ हरा धनिया- थोड़ा-सा, बारीक कटा हुआ पुदीना-थोड़ा-सा।

विधि

1. एक बर्तन में कॉर्नफ्लोर लें और 2 बड़े चम्मच पानी डालकर घोल बना लें।
2. अब इसमें कटी हुई सब्जियां, नमक, लहसुन का पेस्ट मिलाकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
3. एक कड़ाही में हल्का-सा तेल डालें और इस सब्जी को फ्राई कर लें।
4. उसमें सोया सॉस, विनेगर और नमक भी डाल दें।
5. अब जब तक पानी न सूख जाए, तब तक चलाएं।
6. इसके बाद एक ब्रेड की को दोनों तरफ से हल्का सुनहरा होने तक सेंक लें, सब्जी का तैयार मिश्रण इस पर लगा दें।
7. फिर पिज्जा कटर से ब्रेड के लंबे टुकड़े काट लें। अब इन पर थोड़ा-सा धनिया, पुदीना बुरक दें।
8. बच्चों के टिफिन के लिए टेस्टी वेजिटेबल फिंगर तैयार हैं।

शब्द सामर्थ्य- 25

बार् से दाएँ

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-विराडा, जो कटिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोभ, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. चौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहाय, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. सहाय 21. पशुओं को खिलाने अधीनता, मातहतता, वश 14. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहाय 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, वृण, तिनका।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 24 का हल

ज	द	दो	जे	ह	द	स	पू	त
ल	ब	ल	वा	न				द
म	ह	क	खा	म	खों			बी
ग्न	त	ल	ना	स	फ	र		
	म	रा		ना	टा			
	हि	स			फ	न		
	ला	ज	वा	ब	म	ट	र	
मां	ग		सं	त	ति			भ
	मा	त	ह	त		प	क्षी	

सू-दोकू- 25

	7		4	3		
2			3		9	4
	6			2		
3	1			7	4	
	2					6
8			9	4		1
		2	3	7		
1		7	2	4	3	
	5	3	8		7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बार् से दाएँ और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कालार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोकू क्र.24 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2